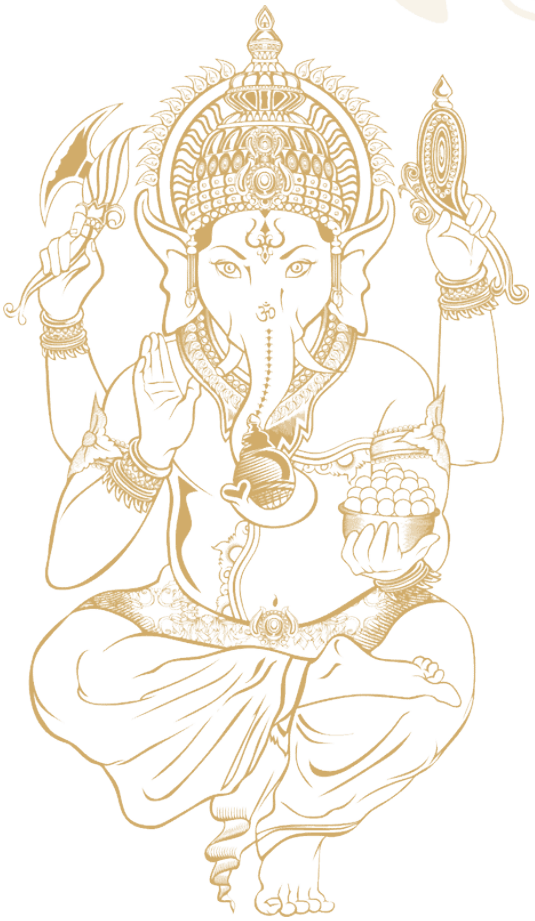

Shiv

Sonal

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121470502

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
22/03/1992	जन्म तिथि	28/01/1995
रविवार	दिन	शनिवार
घंटे 13:50:00	जन्म समय	11:10:00 घंटे
घटी 19:32:10	जन्म समय(घटी)	10:58:18 घटी
India	देश	India
Basti	स्थान	Padrauna
26:48:00 उत्तर	अक्षांश	26:54:00 उत्तर
82:44:00 पूर्व	रेखांश	83:59:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:00:56	स्थानिक संस्कार	00:05:56 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:01:08	सूर्योदय	06:41:50
18:11:09	सूर्यास्त	17:32:16
23:45:11	चित्रपक्षीय अयनांश	23:47:30

विंशोत्तरी
गुरु 10वर्ष 1मा 17दि

बुध	
10/05/2021	
10/05/2038	
बुध	06/10/2023
केतु	02/10/2024
शुक्र	03/08/2027
सूर्य	09/06/2028
चन्द्र	08/11/2029
मंगल	05/11/2030
राहु	25/05/2033
गुरु	31/08/2035
शनि	10/05/2038

ग्रह	राशि	अंश
लग्न	कर्क	11:40:33
सूर्य	मीन	08:12:45
चंद्र	तुला	24:53:24
मंगल व	कुंभ	01:47:57
बुध व	मीन	15:45:14
गुरु	सिंह व	13:10:10
शुक्र	कुंभ	16:33:17
शनि	मक	21:18:28
राहु व	धनु	11:37:25
केतु व	मिथु	11:37:25
हर्ष	धनु	23:52:05
नेप	धनु	24:58:18
प्लूटो	तुला व	29:00:13

ग्रह	राशि	अंश
लग्न	मेष	11:21:23
सूर्य	मक	14:02:02
चंद्र	धनु	07:33:39
मंगल व	सिंह	04:40:06
बुध व	मक	27:01:09
गुरु	वृश्चि	15:56:20
शुक्र	वृश्चि	27:47:07
शनि	कुंभ	16:51:23
राहु व	तुला	16:50:06
केतु व	मेष	16:50:06
हर्ष	मक	03:16:44
नेप	धनु	29:48:10
प्लूटो	वृश्चि	06:27:23

विंशोत्तरी
केतु 3वर्ष 0मा 11दि

चन्द्र	
08/02/2024	
08/02/2034	
चन्द्र	09/12/2024
मंगल	10/07/2025
राहु	09/01/2027
गुरु	10/05/2028
शनि	09/12/2029
बुध	10/05/2031
केतु	09/12/2031
शुक्र	09/08/2033
सूर्य	08/02/2034

लग्न-चलित

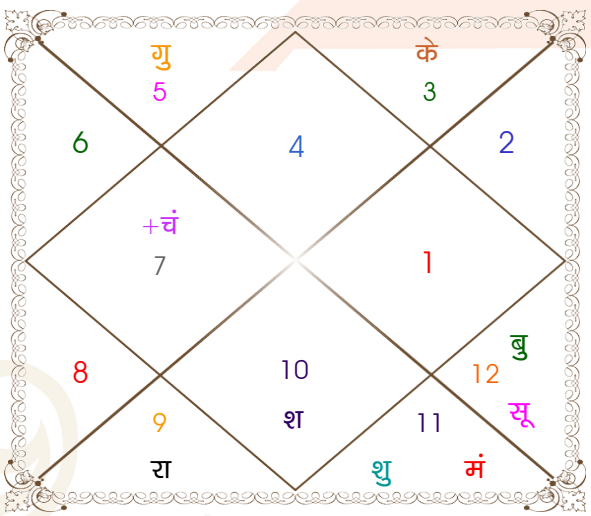

लग्न-चलित

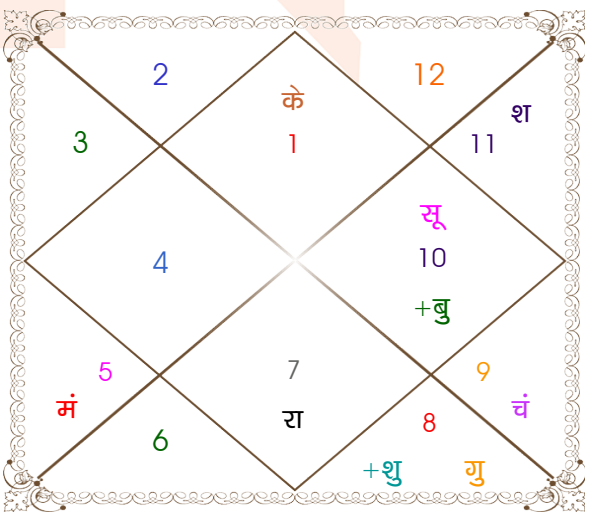

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	वध	क्षेम	3	1.50	--	भाग्य
योनि	व्याघ्र	श्वान	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	गुरु	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	तुला	धनु	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	26.00		

Shiv का वर्ग सर्प है तथा Sonal का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Shiv और Sonal का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Shiv मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

अजे लग्ने व्यये चापे पाताले वृश्चिके स्थिते।
वृषे जाये घटे रन्ध्रे भौम दोषो न विद्यते।।

अर्थात् मेष राशि लग्न में, द्वादश में धनुराशि, चतुर्थ में वृश्चिक राशि, सप्तम में वृष राशि तथा अष्टम में कुम्भ राशि में मंगल स्थित हो तो मंगल दोष नहीं होता है। क्योंकि मंगल Shiv कि कुण्डली में अष्टम् भाव में कुम्भ राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Sonal मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में पंचम् भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Sonal कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Shiv तथा Sonal में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।